अवध-विहान

माह- अप्रैल २०२६

डिजिटल पत्रिका

अंक - ४६

भारतीय शिक्षा समिति उ०प्र०

अवध प्रान्त

सरस्वती कुंज निराला नगर -लखनऊ

संरक्षक

मा० यतीन्द्र शर्मा जी
सहसंगठन मंत्री – विद्या भारती

मार्गदर्शक मण्डल

मा. हेमचन्द्र जी
क्षेत्रीय संगठन मंत्री
विद्या भारतीय पूर्वी उ०प्र० क्षेत्र

मा. हरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
अध्यक्ष
भारतीय शिक्षा समिति उ०प्र०

मा. डॉ. महेन्द्र कुमार जी
मंत्री
भारतीय शिक्षा समिति उ०प्र०

मा. रामजी सिंह
प्रदेश निरीक्षक
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा.अवधेश कुमार
सम्भाग निरीक्षक(सीतापुर सम्भाग)
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. गोपल मिश्रा
सम्भाग निरीक्षक(साकेत सम्भाग)
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

सम्पादक मण्डल

प्रधान सम्पादक

श्री सुनील कुमार सिंह
प्रान्त प्रचार प्रमुख (भारतीय शिक्षा समिति)
मो0 – 9026446337 , **E-mail :- awadhpacher@gmail.com**

प्रचार टोली

श्री बीरेन्द्र वर्मा
प्रान्त संवाददाता प्रमुख
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

श्री जितेन्द्र पाण्डेय
प्रान्त सोशल मीडिया प्रमुख
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

कम्प्यूटर ग्राफिक्स व डिजाइनिंग

श्री मन्दीप कुमार
स.शि.म.इ.का.पलिया कलॉ–खीरी
पलिया कलां खीरी

श्री अमरदीप श्रीवास्तव
स.शि.म.इ.का.फतेहपुर–बाराबंकी
फतेहपुर–बाराबंकी

सम्पादकीय

संपादकीय: संघर्ष, परहित और त्याग की प्रेरणा

भारत की महान परंपरा में ऐसे महापुरुष हुए हैं जिनके जीवन से समाज को दिशा मिली है। आज जब हम सामाजिक असमानताओं, नैतिक चुनौतियों और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष कर रहे हैं, तब इन महापुरुषों के जीवन से मिली प्रेरणा पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो जाती है।

डॉ. भीमराव रामजी अम्बेडकर ने कठिन परिस्थितियों में शिक्षा प्राप्त कर समाज को समानता और न्याय का मार्ग दिखाया। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि संघर्ष और दृढ़ संकल्प से असंभव को भी संभव बनाया जा सकता है। आज जब सामाजिक न्याय की बात होती है, तो अम्बेडकर का नाम सबसे पहले आता है।

गुरु तेग बहादुर जी ने धर्म और मानवता की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। उनका जीवन हमें यह संदेश देता है कि परहित ही सच्चा धर्म है। आज जब समाज में स्वार्थ और संकीर्णता बढ़ रही है, तब गुरु तेग बहादुर का आदर्श हमें दूसरों के हित में जीने की प्रेरणा देता है।

भगवान परशुराम शक्ति और मर्यादा के प्रतीक हैं। उन्होंने अन्याय और अधर्म के विरुद्ध संघर्ष किया और धर्म की रक्षा की। उनका जीवन हमें यह प्रेरणा देता है कि शक्ति का प्रयोग सदैव न्याय और धर्म की रक्षा के लिए होना चाहिए।

धन्यवाद !

(सुनील कुमार सिंह)
संपादक

अनुक्रमणिका

1 - बहराइच संकुल	5 - 7
2 - सीतापुर संकुल	8 - 9
3 - लखीमपुर खीरी संकुल	10 - 14
4 - हरदोई संकुल	15
5 - उन्नाव संकुल	16
6 - रायबरेली संकुल	17 - 19
7 - अम्बेडकरनगर संकुल	20 - 21
8 - बाराबंकी संकुल	22
9 - अयोध्या संकुल	23 - 24
10- गोंडा संकुल	25
11- बलरामपुर संकुल	26

बहराइच संकुल

सत्रारंभ के प्रथम दिवस पर स्नेहपूर्ण स्वागत का प्रेरणादायी दृश्य

सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कालेज, माधवपुरी बहराइच में नवीन शैक्षिक सत्र का प्रथम दिवस अत्यंत उल्लास, गरिमा और आत्मीयता के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर में आज का वातावरण विशेष रूप से उत्साहपूर्ण और आनंदमय रहा, जब लंबे अवकाश के पश्चात भैया-बहनों का पुनः विद्यालय में आगमन हुआ।

इस शुभ अवसर पर प्रधानाचार्य श्री विजय बहादुर सिंह जी के नेतृत्व में समस्त सम्मानित आचार्य बंधु एवं आचार्या बहनों ने विद्यार्थियों का हार्दिक स्वागत किया। विद्यालय के प्रवेश द्वार पर पुष्प वर्षा कर तथा तिलक लगाकर विद्यार्थियों का अभिनंदन किया गया, जिससे प्रत्येक छात्र-छात्रा के मन में अपनत्व, सम्मान और नवीन ऊर्जा का संचार हुआ।
इस प्रकार का स्नेहपूर्ण स्वागत न केवल विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाता है, बल्कि उनके भीतर विद्यालय के प्रति लगाव और अनुशासन की भावना को भी प्रबल करता है। यह दृश्य भारतीय संस्कृति और संस्कारों की जीवंत झलक प्रस्तुत करता है, जहाँ गुरु-शिष्य परंपरा का सुंदर समन्वय दिखाई देता है।

प्रथम दिवस का यह आयोजन सभी के लिए अत्यंत स्मरणीय रहा। इससे विद्यार्थियों में नए सत्र के प्रति उत्साह और सकारात्मकता का संचार हुआ तथा वे नई ऊर्जा के साथ अपने शैक्षिक लक्ष्य की ओर अग्रसर होने के लिए प्रेरित हुए।
इस प्रकार, सत्रारंभ का यह दिन न केवल एक औपचारिक शुरुआत रहा, बल्कि प्रेरणा, संस्कार और स्नेह से परिपूर्ण एक नई यात्रा का शुभारंभ भी सिद्ध हुआ।

नवीन सत्र आरंभ 2026-27

सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कालेज रामकृष्ण नगर नानपारा बहराइच में नवीन शैक्षिक सत्र का प्रथम दिवस अत्यंत उल्लास, गरिमा और आत्मीयता के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर में आज का वातावरण विशेष रूप से उत्साहपूर्ण और आनंदमय रहा, जब लंबे अवकाश के पश्चात भैया-बहनों का पुनः विद्यालय में आगमन हुआ।

इस शुभ अवसर पर प्रधानाचार्य श्री आशीष जी के नेतृत्व में समस्त सम्मानित आचार्य बंधु एवं आचार्या बहनों ने विद्यार्थियों का हार्दिक स्वागत किया। विद्यालय के प्रवेश द्वार पर पुष्प वर्षा कर तथा तिलक लगाकर विद्यार्थियों का अभिनंदन किया गया,

जिससे प्रत्येक छात्र-छात्रा के मन में अपनत्व , सम्मान और नवीन ऊर्जा का संचार हुआ। इस प्रकार का स्नेहपूर्ण स्वागत न केवल विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाता है, बल्कि उनके भीतर विद्यालय के प्रति लगाव और अनुशासन की भावना को भी प्रबल करता है। प्रथम दिवस का यह आयोजन सभी के लिए अत्यंत स्मरणीय रहा। भैया बहनों के स्वागत के बाद विद्यालय में सुन्दरकाण्ड का आयोजन किया गया जिसमें प्रधानाचार्य जी के साथ समस्त आचार्य , आचार्या बहनों के साथ भैया बहनों ने सुन्दरकाण्ड पाठ में प्रतिभाग किया।

तत्पश्चात भैया बहनों को प्रधानाचार्य श्री आशीष सक्सेना जी द्वारा आशीष वचन प्राप्त हुआ

सरस्वती विद्या मंदिर रामकृष्ण नगर नानपारा बहराइच

में आज दिनांक 07 अप्रैल को गुरु तेग बहादुर जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री आशीष सक्सेना जी पधारे अतिथि नगर प्रचारक श्री बलजीत जी, पूर्वछात्र श्री जसप्रीत जीने मां सरस्वती जी के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया ।
इसके पश्चात प्रधानाचार्य जी ने अतिथि महोदय का परिचय कराकर कार्यक्रम के मुख्य बिंदु को प्रस्तुत किया तत्पश्चात् श्री बलजीत जी भाईसाहब ने गुरु तेग बहादुर के जीवन पर अपने विचार को प्रस्तुत कर संक्षिप्त परिचय दिया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त आचार्य व आचार्या बहने उपस्थित रही।

विदाई कार्यक्रम

सरस्वती विद्या मंदिर रामकृष्ण नगर नानपारा, बहराइच में दिनांक 08.04.2026 को अपने विद्यालय के यशस्वी प्रधानाचार्य श्री राम शंकर मिश्र जी अपने सेवाकाल के 39 वर्ष कुशलता पूर्वक व्यतीत करते हुए सेवानिवृत हुए, साथ ही कार्यालय प्रमुख श्री राजेंद्र सिंह जी व शिशु मंदिर कार्यालय प्रमुख श्री बिंदेश्वरी दीक्षित भी अवकाश प्राप्त किए हैं। आपके सम्मान में आचार्य परिवार एवं प्रबंध समिति द्वारा विदाई कार्यक्रम का आयोजन
आज दिनांक 08.04.2026 को किया जा रहा है। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष श्री अभय जी, कोषाध्यक्ष श्री शीतल प्रसाद शुक्ला जी व विद्यालय समिति सदस्य श्री असीम शुक्ला जी ने आपके व्यक्तित्व एवं कृतित्व के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला । इसके उपरांत पूर्व प्रधानाचार्य श्री राम शंकर मिश्र जी ने अपने 39 वर्ष के कार्य अनुभव को संक्षिप्त में व्यक्त किया। इसके पश्चात प्रधानाचार्य श्री आशीष सक्सेना जी आपके द्वारा एक वर्ष में क्या अनुभव किया, क्या सीखा आदि को साझा किया इसी क्रम में विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य श्री अवधेश मिश्रा जी आपके सम्मान में अपने विचार को व्यक्त किया। तत्पश्चात जीवविज्ञान आचार्य श्री अरविंद श्रीवास्तव जी आप सभी के साथ दो वर्षों के द्वारा सीखे गए अनुभव को साझा किया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार एवं प्रबंध समिति द्वारा माननीय प्रधानाचार्य जी , कार्यालय प्रमुख जी को अंग वस्त्र प्रदान कर आपके दीर्घायु रहने की कामना की।प्रधानाचार्य जी द्वारा भी आचार्य परिवार को आशीर्वाद स्वरूप पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त आचार्य परिवार उपस्थित रहा । कार्यक्रम का समापन शांति मंत्र के साथ हुआ।

सीतापुर संकुल

सरस्वती शिशु मंदिर, पुरवारी टोला, बिसवां, सीतापुर

आज दिनांक 01 अप्रैल 2026 को सरस्वती शिशु मंदिर, पुरवारी टोला, बिसवां, सीतापुर में नवीन शैक्षिक सत्र का शुभारंभ अत्यंत हर्षोल्लास एवं आध्यात्मिक वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भैया-बहनों पर पुष्प वर्षा कर एवं उन्हें रोली-चंदन लगाकर किया गया।

इस पावन अवसर पर विद्यालय परिसर में सुंदरकांड पाठ एवं हवन-पूजन का भी आयोजन किया गया, जिससे सम्पूर्ण वातावरण भक्तिमय एवं ऊर्जावान हो उठा।

कार्यक्रम में विद्यालय के नवीन प्रधानाचार्य श्री मिथिलेश कुमार तिवारी जी, पूर्व प्रधानाचार्य श्री रामानुज चौरसिया जी, विद्यालय के यशस्वी प्रबंधक श्री राम प्रताप वर्मा जी, कोषाध्यक्ष श्री मुन्नालाल मौर्य जी, अध्यक्ष श्री राजाराम गुप्त जी, सह-प्रबंधक श्री राजेश चंद्र कपूर जी सहित समस्त प्रबंध समिति के पदाधिकारी एवं आचार्य परिवार की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस अवसर पर नवीन प्रधानाचार्य श्री मिथिलेश कुमार तिवारी जी का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया तथा उन्हें अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित करते हुए विधिवत कार्यभार ग्रहण कराया गया।

साथ ही, पूर्व प्रधानाचार्य श्री रामानुज चौरसिया जी के सम्मान में भावपूर्ण विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान समस्त आचार्य बंधुओं एवं आचार्या बहनों ने उनके साथ बिताए गए प्रेरणादायक एवं सुनहरे क्षणों को साझा किया और उनके उत्कृष्ट मार्गदर्शन के प्रति आभार व्यक्त किया।

उन्हें स्मृति-चिह्न भेंट कर भावभीनी विदाई दी गई। इसके अतिरिक्त, सेवानिवृत्त आचार्या श्रीमती उर्मिला सैनी जी को भी सम्मानपूर्वक उपहार प्रदान कर उनके योगदान को सराहा गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों एवं आचार्य परिवार ने नवीन सत्र के लिए शुभकामनाएँ व्यक्त करते हुए विद्यालय के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अंत में शांति मंत्र के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

रामदुलारे मिश्र सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज हरगांव सीतापुर

के भैया शाश्वत झा ने सरस्वती प्रतिभा खोज परीक्षा में प्रांत में आठवां स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम किया रोशन भैया को हार्दिक शुभकामनाएं

लखीमपुर संकुल

🌹*सुन्दर काण्ड पाठ व सरस्वती पूजन के साथ नवीन सत्र प्रारम्भ *🌹

👉 विद्याभारती विद्यालय सरजू सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज बेलरायां खीरी में आज दिनांक 01अप्रैल दिन बुधवार को विद्यालय का नवीन सत्र 2026-27 का आरम्भ सुन्दर कांड पाठ के साथ शुरू हुआ।विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान अजीत सिंह जी के द्वारा माँ सरस्वती व हनुमान जी के समक्ष दीप प्रज्जवलन व पुष्पार्चन कर सुन्दर काण्ड पाठ को आरम्भ किया गया।सरजू सहकारी चीनी मिल परिसर में स्थित शिव मन्दिर के पुजारी पंडित वीरेंद्र दीक्षित जी द्वारा विधिवत कार्यक्रम संपन्न कराया गया।सुन्दर काण्ड पाठ के बाद पूर्णाहुति कर आरती के बाद विद्यालय में उपस्थित सभी नवीन और पुरातन भैय्या/बहिनों को प्रसाद वितरित किया गया।इस अवसर पर समस्त आचार्य परिवार उपस्थित रहा।

शैक्षिक सामग्री की प्रदर्शनी शिशु वाटिका

विद्या भारती विद्यालय सनातन धर्म सरस्वती शिशु वाटिका लखीमपुर खीरी में नवीन सत्र हेतु कक्ष सज्जा के लिए पाठ सामग्री का निर्माण कराया गया पाठ्य सामग्री प्रदर्शनी लगायी गई। मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर वंदना के पश्चात जिसका उद्घाटन पंडित दीनदयाल उपाध्याय यूपी बोर्ड के प्राचार्य जी श्री मान योगेंद्र प्रताप सिंह एवं डॉ हेडगेवार सरस्वती शिशु मंदिर के प्राचार्य श्रीमान राम मणि जी द्वारा अवलोकन कर प्रभावी शिक्षण करने के लिए शुभकामनाएं भी दी। साथ ही प्रत्येक कक्षा कक्ष का निरीक्षण एवं सज्जा का अवलोकन किया। विद्यालय की संचालिका श्रीमती हीरा सिंह ने बताया कि एल टी एम का प्रयोग करने से शिक्षक और अधिगम की प्रक्रिया में सुधार होता है जिससे बच्चे नए कौशल और ज्ञान को अधिक प्रभावी ढंग से सीख सकते हैं। साथ ही एल टी एम का प्रयोग करने से दीर्घकालिक स्मृति में सुधार होता है जिससे आप लंबे समय तक जानकारी को याद रख सकते हैं क्योंकि हमारे विद्यालय में छोटे-छोटे भैया बहन हैं तो उनको करके सीखना है जब वह प्रयोग स्वयं करेंगे तभी वह सीखेंगे मौखिक जानकारी से भैया बहन जल्दी नहीं सीख पाते हैं ।

विद्याभारती विद्यालय सनातन धर्म सरस्वती शिशु मंदिर मिश्राना,लखीमपुर-खीरी

में आज दिनांक 06-04-26,दिन सोमवार को अपने विद्यालय की पूर्व छात्रा बहन ईनाक्षी गुप्ता (पी.सी.एस) का शुभागमन हुआ। मां शारदा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन, पुष्पार्चन एवं वंदना के उपरांत कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती हीरा सिंह जी ने आज के अतिथियों ब० ईनाक्षी गुप्ता का स्वागत माननीय प्रबंधक जी ने अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह से सम्मानित किया साथ ही बहन ईनाक्षी के पिता श्री अवधेश गुप्ता(राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संघचालक)जी का स्वागत विद्यालय के उप प्रधानाचार्य श्रीमान ज्ञानेंद्र जी ने अंग वस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। साथ ही विद्यालय के प्रबंधक श्रीमान रवि भूषण साहनी जी का स्वागत किया गया और विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती हीरा सिंह जी ने बताया कि पी.सी.एस. में सफलता के स्वर्णिम अध्याय, विद्यालय का गौरव हुआ लखीमपुर

खीरी शिक्षा के मंदिर में बोए गए संस्कार और परिश्रम के बीज जब सफलता के रूप में फलित होते हैं, तो वह क्षण केवल उपलब्धि नहीं, बल्कि गौरव की एक अनुपम अनुभूति बन जाता है। ऐसा ही गौरवपूर्ण अवसर ईनाक्षी गुप्ता–ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (पी.सी.एस.) परीक्षा में सफलता प्राप्त कर

विद्यालय का नाम आलोकित कर दिया है। वहीं छात्रा ईनाक्षी गुप्ता ने "जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी" के पद पर चयनित होकर अपने लक्ष्य को साकार किया है।इनकी उपलब्धि केवल व्यक्तिगत सफलता की कहानी नहीं, बल्कि उस शैक्षिक वातावरण, संस्कारों और मार्गदर्शन की भी विजय है, जो विद्यालय परिवार द्वारा वर्षों से विद्यार्थियों को प्रदान किया जाता रहा है। यह सफलता उन अनगिनत प्रयासों का उज्ज्वल परिणाम है, जो कक्षा की चारदीवारी के भीतर निरंतर पल्लवित होते रहे।विद्यालय परिवार इस उपलब्धि से हर्ष और गर्व से अभिभूत है। जो यह संदेश देती हैं कि दृढ़ निश्चय और सतत परिश्रम से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।और बताया हमारी शिष्या की शिक्षा दीक्षा सरस्वती शिशु वाटिका अरुण कक्षा से प्रारम्भ हुई आज हमारे विद्यालय के लिए बड़े ही गौरव बात है शिक्षा के मंदिर में बोए गए संस्कार और परिश्रम के बीज जब सफलता के रूप में फलित होते हैं। बहन ईनाक्षी गुप्ता ने अपने उद्‌बोधन में स्वामी विवेकानंद जी के ध्येय वाक्य "उठो,जागो और अपने लक्ष्य तक पहुंचने से पहले न रुको।"का आशय भैया बहनों को समझाते हुए जीवन में निरंतर आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा दी। प्रथम सहायक आचार्य श्री ज्ञानेंद्र कुमार बाजपेई ने आये हुए अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम का समापन शांति मंत्र के साथ हुआ।

सनातन धर्म सरस्वती शिशु मंदिर मिश्राना लखीमपुर-खीरी

🌹 विदाई का क्षण - कृतज्ञता का प्रणाम 🌹

31 मार्च 2026 का यह दिवस मेरे जीवन की तपस्या का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। 32 वर्षों तक विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के विभिन्न विद्यालयों में कार्य किया।

१) सरस्वती शिशु मंदिर गोला गोकर्णनाथ में 9 दिसंबर 1990 (दिन रविवार) से 12 नवंबर 2003 तक लगभग 14 वर्षों तक आचार्य का दायित्व पूर्ण मनोयोग एवं निष्ठापूर्वक निर्वाह किया।

२) 13 नवंबर 2003 से 15 जून 2015 तक सरस्वती शिशु मंदिर गोला गोकर्णनाथ विद्यालय में प्रधानाचार्य का दायित्व व प्रशासनिक उत्तरदायित्व का सफलता पूर्वक निर्वहन करते हुए भैया/बहनों व आचार्य परिवार के सहयोग से विद्यालय को नगर में पुनः स्थापित कर समाज में पहचान मिली।

३) 16 जून 2015 से 27 में 2017 तक लखीमपुर जिले के पलिया कला में स्थित तेज महेंद्रा सरस्वती शिशु मंदिर में प्रधानाचार्य के रूप में विद्यालय को प्रगति की ओर समाज व आचार्य परिवार के अथक परिश्रम व सहयोग से अग्रसर किया।

४) 28 मई 2017 से 31 मार्च 2026 तक लगभग 9 वर्ष तक लखीमपुर नगर में स्थित विद्या भारती विद्यालय सनातन धर्म सरस्वती शिशु मंदिर,मिश्राना लखीमपुर खीरी में प्रधानाचार्य का दायित्व निर्वहन कर विद्यालय को विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से अवध प्रांत विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र व अखिल भारतीय स्तर तक भैया बहनों के परिश्रम व आचार्य परिवार के अथक प्रयास से विद्यालय को ख्याति प्राप्त हुई।

५) अखिल भारतीय संस्कृति ज्ञान प्रश्न मंच में सन् 2021-22 में तृतीय स्थान ,2023-24 द्वितीय तथा 2024-25 में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया।

६) शिशु वर्ग की कथा कथन (पत्रवाचन) प्रतियोगिता में आचार्य परिवार के कुशल निर्देशन में भैया /बहनों ने अखिल भारतीय प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय , तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय को गौरवमई ख्याति दिलाई ।

७) वैदिक गणित ,विज्ञान प्रश्न मंच एवं प्रदर्शन में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा के द्वारा स्थान प्राप्त किया।

८) सरस्वती छात्र योग्यता परीक्षा (मेधावी छात्र परीक्षा) में विगत कई वर्षों से वरीयता क्रम में स्थान प्राप्त कर अपनी योग्यता क्षमता व आचार्य परिवार के प्रयास के विद्यालय की छवि को आगे बढ़ाया।

यह समय मेरे लिए केवल एक प्रशासनिक उत्तरदायित्व ही नहीं बल्कि जीवन की गहन साधना रही।। इस यात्रा ने हर दिन मुझे यह सिखाया कि शिक्षक केवल ज्ञान का संवाहक ही नहीं बल्कि संस्कारों का संवाहक और चरित्र का निर्माता है हमने मिलकर यह प्रयास किया कि विद्यार्थी केवल कुशल ही ना बने, बल्कि

आदर्श, नैतिक और राष्ट्रनिष्ठ व सदाचारी भी बने यदि यह संस्कार किसी एक भी आत्मा में धारण हो सके तो वह मेरी सबसे बड़ी उपलब्धि रहेगी। इस मार्ग पर सहकर्मियों का अप्रतिम सहयोग, शुभचिंतकों तथा मित्रों का प्रेरक मार्गदर्शन और कार्यकर्ताओं का स्नेह अनमोल रहा। सचमुच, आप सब और यह विद्या भारती संस्थान के विद्यालय मेरे लिए एक परिवार रहे हैं, जिन्होंने न केवल मुझे कार्य की शक्ति दी बल्कि हमेशा अपनेपन का असीम आनंद भी दिया।।

आज जब पद से विराम ले रहा हूँ ,तो ह्रदय गीला व मन द्रवित है परंतु संतुष्ट भी हूँ ।आंसू है ,पर वह त्याग के प्रेम के और कृतज्ञता के आंसू हैं।

मैं केवल इतना कहना चाहता हूँ -

यह विद्या भारती की विद्यालय मेरी आत्मा का हिस्सा रहे हैं आप सब मेरे सुख दुख के साथी आत्मीयता के भाव के साथ ही सदैव रहे हैं। मेरा जीवन,मेरी तपस्या, मेरी साधना - सब कुछ इसे समर्पित रही है।

ईश्वर से प्रार्थना है कि विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के विद्यालय आगे भी पीढ़ी दर पीढ़ी समाज का निर्माण कर नव नौनिहालों को आलोकित करता रहे, और राष्ट्र के उत्थान को सतत ध्यान में रखते हुए भारत माता की जय के लिए सभी दीप स्तंभ के रूप में बने रहें।

"विद्या ही परम धन है, विद्या ही आत्मा का सौंदर्य है, विद्या ही राष्ट्र की आधारशिला है।"

मैं सरस्वती शिशु मंदिर गोला गोकर्णनाथ ,श्री तेज महेंद्रा सरस्वती शिशु मंदिर पलियाकलां एवं सनातन धर्म सरस्वती शिशु मंदिर मिश्राना, लखीमपुर की प्रबंध समिति के समस्त पदाधिकारी के प्रति आभार सहित कृतज्ञता ज्ञापित करता हूं ।साथ ही सभी पदाधिकारी, सभी विद्यालयों के आचार्य परिवार, कर्मचारी (भैया व मैया) सभी अभिभावकों एवं सभी शिष्यों के प्रति में अपना हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

🙏सश्रद्ध कृतज्ञता सहित🙏

मुनेंद्र दत्त शुक्ल

(पूर्व) प्रधानाचार्य

सनातन धर्म सरस्वती शिशु मंदिर मिश्राना लखीमपुर-खीरी

विद्यालय सरजू सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज बेलरायां खीरी

🌷*सुन्दर काण्ड पाठ व सरस्वती पूजन के साथ नवीन सत्र प्रारम्भ *🌷

👉 विद्याभारती विद्यालय सरजू सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज बेलरायां खीरी में आज दिनांक 01अप्रैल दिन बुधवार को विद्यालय का नवीन सत्र 2026-27 का आरम्भ सुन्दर कांड पाठ के साथ शुरू हुआ।विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान अजीत सिंह जी के द्वारा माँ सरस्वती व हनुमान जी के समक्ष दीप प्रज्जवलन व पुष्पार्चन कर सुन्दर काण्ड पाठ को आरम्भ किया गया।सरजू सहकारी चीनी मिल परिसर में स्थित शिव मन्दिर के पुजारी पंडित वीरेंद्र दीक्षित जी द्वारा विधिवत कार्यक्रम संपन्न कराया गया।सुन्दर काण्ड पाठ के बाद पूर्णाहुति कर आरती के बाद विद्यालय में उपस्थित सभी नवीन और पुरातन भैय्या/बहिनों को प्रसाद वितरित किया गया।इस अवसर पर समस्त आचार्य परिवार उपस्थित रहा।

हरदोई संकुल

🌸 सत्र 2026-27 का हवन-पूजन के साथ शुभारंभ🌸

🌺 आज दिनांक 01-04-2026 को **विद्या भारती विद्यालय सरस्वती शिशु /विद्या मन्दिर विष्णुपुरी हरदोई** में सत्र 2026-27 का प्रारंभ विद्यालय परिसर में माँ शारदे के समक्ष हवन-पूजन के साथ हुआ। जिसमे विद्यालय के अध्यक्ष श्रीमान इंद्रेश्वर नाथ गुप्ता जी मुख्य अतिथि रहे पण्डित अशोक जी ने हवन-पूजन कराया। विद्यालय के सभी आचार्यों, अभिभावकों, भैया/बहनो ने यज्ञ में आहुति देकर नवीन सत्र मंगलमय हो ऐसी कामना की। अंत में प्रसाद वितरण किया गया।

उन्नाव संकुल

हवन पूजन के साथ नए सत्र 2026-27 की शुरुआत स0वि0म0इ0का0गोपीनाथ पुरम शुक्लागंज उन्नाव

में आज सत्र की शुरुआत हवन पूजन से हुई । प्रातःकाल 8 बजे सर्वप्रथम विद्यालय के प्रबंधक राकेश कुमार व प्रधानाचार्य श्रवण कुमार सिंह जी ने माँ सरस्वती जी के चरणों में दीप प्रज्ज्वलित किया और पुष्प अर्पित किया और माँ की वन्दना सामूहिक रूप से हुई ।इसके बाद विधिवत हवन पूजन हुआ ।सभी भैया बहिनों ने उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया । भैया बहिनों को कक्षा में उपस्थिति लेने के बाद बुक लिस्ट बाँटी गई ।कल से विधिवत शिक्षण कार्य शुरू होगा ।

रायबरेली संकुल

गोपाल सरस्वती विद्या मंदिर में नए प्रधानाचार्य का पदभार ग्रहण

रायबरेली।

स्थानीय शिक्षण संस्थान गोपाल सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल, रायबरेली में नए प्रधानाचार्य श्रीमान अरविंद सिंह चौहान का आगमन हुआ।
पंडित दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मंदिर, लखीमपुर खीरी से स्थानांतरित होकर आए अनुभवी शिक्षाविद् ने आज विद्यालय में विधि-विधान के साथ अपना कार्यभार ग्रहण किया। परिचय सत्र: उन्होंने विद्यालय के समस्त शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक स्टाफ के साथ परिचयात्मक बैठक की।

अनुभव: लखीमपुर खीरी में उनके सफल कार्यकाल और शैक्षिक सुधारों को देखते हुए विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। नवागंतुक प्रधानाचार्य का संबोधन कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात उन्होंने अपने संबोधन में कहा: "मेरा लक्ष्य विद्यालय की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए छात्रों के सर्वांगीण विकास और अनुशासन को नई ऊंचाइयों पर ले जाना है। हम मिलकर रायबरेली के शैक्षिक परिदृश्य में इस संस्थान को सर्वश्रेष्ठ बनाएंगे।" इस अवसर पर प्रबंध समिति के सदस्यों ने विश्वास जताया कि उनके कुशल नेतृत्व में विद्यालय शैक्षणिक और सह-शैक्षणिक गतिविधियों में नए कीर्तिमान स्थापित करेगा,
आज दिनांक 2 अप्रैल 2026 को **सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, सरस्वती नगर , रायबरेली** में हनुमान जन्मोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाया गया। इस पावन अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती अंजू मिश्रा जी,सभी आचार्य भैया-बहनों व सभी छात्र- छात्राओं ने हनुमान जी का पूजन, हनुमान चालीसा का पाठ व आरती की।
कार्यक्रम में विद्यालय के सभी भैया-बहन एवं आचार्यगण उपस्थित रहे और सभी ने श्रद्धा एवं उत्साह के साथ भाग लिया।

आज दिनांक 7 अप्रैल 2026 को सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, ऊर्जा विहार, ऊंचाहार, रायबरेली

में एक अत्यंत गौरवपूर्ण अवसर रहा। विद्यालय की पुरातन छात्रा बहन शिवानी सिंह, जिन्होंने इसी विद्यालय से वर्ष 2019 में इंटरमीडिएट उत्तीर्ण किया था, इन्होंने अपने कठोर परिश्रम

एवं समर्पण के बल पर पीसीएस परीक्षा में 151वीं रैंक प्राप्त कर जीएसटी विभाग में असिस्टेंट कमिश्नर का पद प्राप्त किया।

प्रयागराज में रहकर निरंतर मेहनत करते हुए उन्होंने यह उल्लेखनीय सफलता अर्जित की, जो सम्पूर्ण विद्यालय परिवार के लिए अत्यंत गर्व का विषय है। इस अवसर पर बहन शिवानी सिंह ने विद्यालय में उपस्थित होकर भैया-बहनों को प्रेरित किया तथा अपने अनुभव साझा कर उनका उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विद्यालय के माननीय प्रबंधक श्री धर्मेंद्र प्रताप सिंह जी एवं बहन आशा सिंह जी उपस्थित रहीं, जो सदैव विद्यालय परिवार की शुभचिंतक रही हैं। उनके प्रेरणादायी विचारों से सभी लाभान्वित हुए।

इस अवसर पर विद्यालय के माननीय प्रधानाचार्य श्री दीपक कुमार सिंह जी तथा प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री राघवेंद्र बहादुर सिंह जी भी उपस्थित रहे। साथ ही विद्यालय के समस्त आचार्य एवं आचार्या बहनों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

विद्यालय परिवार इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करता है तथा बहन शिवानी सिंह के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

आज **सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज एनटीपीसी ऊंचाहार** में नए सत्र के शुभ अवसर पर सुंदरकांड का पाठ मां सरस्वती की पूजा अर्चना मंगल आरती का भव्य कार्यक्रम किया गया इस अवसर पर विद्यालय के माननीय कोषाध्यक्ष वरिष्ठ सदस्य अभिभावक गण तथा बच्चे पूर्ण मनोयोग से सम्मिलित हुए कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य दीपक कुमार सिंह नेअपने संबोधन में भैया बहनों को शिक्षा के साथ-साथ संस्कार एवं नैतिकता पर बल देते हुए सुयोग्य नागरिक मातृ पितृ भक्त एवं देशभक्ति बनने की प्रेरणा प्रदान किया

सरस्वती विद्या मंदिर इंटर एनटीपीसी

की बहन शिवानी सिंह पुत्री भानु प्रताप सिंह निवासी राठौर रन पुरवा ऊंचाहार ने अपने विद्यालय के साथ-साथ माता-पिता अपने गांव तथा जिले का नाम रोशन किया इन्होंने यूपीएससी परीक्षा में 191 रैंक लाकर डिप्टी कमिश्नर जीएसटी के पद को प्राप्त किया है इस अवसर पर विद्यालय में भी खुशी का माहौल है बहन ने अपनी सफलता का श्रेय सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज एनटीपीसी ऊंचाहार के आचार्य अपने माता-पिता को देते हुए मीडिया से बातचीत करते हुए यह बताया कि हाई स्कूल तथा इंटर में सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज से अर्जित प्रेरणा के फल स्वरुप जी उन्हें यह सफलता प्राप्त हुई है अपने आचार्य परिवार के साथ विद्यालय के प्रधानाचार्य दीपक कुमार सिंह ने बहन के घर जाकर उसका मुंह मीठा कराया तथा दुर्गा सप्तशती भेंट किया

सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, लालगंज में आज नए शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ बड़े उत्साह और उल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुंदरकांड पाठ एवं हवन-पूजन के साथ हुई, जिसमें विद्यालय के प्रबंधक श्री हरिद्वार सिंह जी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विशेष स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सभी छात्राओं का तिलक लगाकर एवं पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया गया।

विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों द्वारा छात्राओं का पारंपरिक विधि से अभिनंदन किया गया, जिससे पूरे वातावरण में उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ। नवप्रवेशित छात्राओं के चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थी।

इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती ममता सिंह ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि नया सत्र नए संकल्प और नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने का अवसर है। उन्होंने सभी छात्राओं को अनुशासन, परिश्रम और संस्कारों के साथ शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का समापन हनुमान जी एवं गणेश जी की आरती तथा शंखनाद के साथ किया गया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिवार ने छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। पूरे आयोजन ने एक सकारात्मक और प्रेरणादायक माहौल का निर्माण किया।

अम्बेडकरनगर संकुल

आचार्यगणों की भावपूर्ण विदाई समारोह संपन्न

विवेकानन्द शिशु कुञ्ज सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल, एनटीपीसी टाण्डा, अम्बेडकर नगर में आज दिनांक 03/04/2026 को विद्यालय के तीन सम्मानित आचार्यों की गरिमामयी विदाई समारोह का आयोजन किया गया। यह अवसर अत्यंत भावुक एवं गौरवपूर्ण रहा।

इस अवसर पर विद्यालय के वरिष्ठ एवं आदरणीय आचार्य श्री अजीत जी, श्री श्याम सुंदर सिंह जी तथा श्री राम आशीष सिंह जी को उनके दीर्घकालीन, समर्पित एवं उत्कृष्ट सेवाओं के लिए पूरे विद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक सम्मान एवं शुभकामनाओं के साथ विदाई दी गई। तीनों आचार्यों ने विद्यालय की स्थापना काल से ही अपने परिश्रम, अनुशासन और मार्गदर्शन से विद्यालय को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

विद्यालय के यशस्वी प्रधानाचार्य श्री नीरज कुमार शुक्ला जी ने अपने उद्बोधन में तीनों आचार्यों के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उनका समर्पण, अनुशासन और शिक्षण के प्रति लगन सदैव विद्यालय परिवार के लिए प्रेरणास्रोत बनी रहेगी। इस अवसर पर प्रधानाचार्य जी ने विद्यालय परिवार की ओर से तीनों आचार्यों को स्मृति-चिन्ह एवं सम्मान-पत्र भेंट कर उन्हें भावभीनी विदाई दी।

कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंध समिति के कोषाध्यक्ष श्री मनीराम वर्मा जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने भी अपने संबोधन में आचार्यों के योगदान की प्रशंसा करते हुए उनके उज्ज्वल एवं सुखद भविष्य की कामना की।

विदाई समारोह के दौरान विद्यालय के सभी आचार्य एवं आचार्या बहनें भावुक हो उठीं। अपने संबोधन में उन्होंने तीनों आचार्यों के साथ बिताए गए प्रेरणादायी क्षणों और उनकी उपलब्धियों का स्मरण किया। वातावरण इतना भावुक हो गया कि कई आचार्यों की आँखें नम हो गईं।

समारोह का समापन तीनों आचार्यों के उज्ज्वल भविष्य, स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की कामना के साथ हुआ। विद्यालय परिवार ने उन्हें स्नेह, सम्मान और शुभकामनाओं के साथ विदा किया।

विवेकानन्द शिशु कुन्ज सीनियर सेकेंडरी स्कूल, एनटीपीसी टाण्डा, जनपद अम्बेडकर नगर में नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 का शुभारंभ बड़े ही श्रद्धा, उत्साह और आध्यात्मिक वातावरण के साथ हवन-पूजन एवं पुष्प वर्षा के साथ सम्पन्न हुआ।

दिनांक 1 अप्रैल 2026 को नए सत्र के प्रथम दिवस पर विद्यालय में भैया-बहनों का तिलक (रोली-चंदन) लगाकर एवं पुष्प वर्षा कर हर्षोल्लास के साथ स्वागत किया गया। इसके पश्चात मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष विद्यालय के यशस्वी प्रधानाचार्य श्री नीरज कुमार शुक्ला जी द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना की गई तथा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य, ज्ञान, अनुशासन और सफलता की कामना की गई।

कार्यक्रम के क्रम में सामूहिक रूप से सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें सभी आचार्य-बहनों एवं भैया-बहनों ने श्रद्धा और भक्ति भाव से सहभागिता की। तत्पश्चात वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन-पूजन सम्पन्न कराया गया, जिससे सम्पूर्ण विद्यालय परिसर आध्यात्मिक और सकारात्मक ऊर्जा से ओत-प्रोत हो उठा।

आचार्यगणों की भावपूर्ण विदाई समारोह संपन्न

विवेकानन्द शिशु कुन्ज सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल, एनटीपीसी टाण्डा, अम्बेडकर नगर में आज दिनांक 03/04/2026 को विद्यालय के तीन सम्मानित आचार्यों की गरिमामयी विदाई समारोह का आयोजन किया गया। यह अवसर अत्यंत भावुक एवं गौरवपूर्ण रहा।

इस अवसर पर विद्यालय के वरिष्ठ एवं आदरणीय आचार्य श्री अजीत जी, श्री श्याम सुंदर सिंह जी तथा श्री राम आशीष सिंह जी को उनके दीर्घकालीन, समर्पित एवं उत्कृष्ट सेवाओं के लिए पूरे विद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक सम्मान एवं शुभकामनाओं के साथ विदाई दी गई। तीनों आचार्यों ने विद्यालय की स्थापना काल से ही अपने परिश्रम, अनुशासन और मार्गदर्शन से विद्यालय को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

विद्यालय के यशस्वी प्रधानाचार्य श्री नीरज कुमार शुक्ला जी ने अपने उद्बोधन में तीनों आचार्यों के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उनका समर्पण, अनुशासन और शिक्षण के प्रति लगन सदैव विद्यालय परिवार के लिए प्रेरणास्रोत बनी रहेगी। इस अवसर पर प्रधानाचार्य जी ने विद्यालय परिवार की ओर से तीनों आचार्यों को स्मृति-चिन्ह एवं सम्मान-पत्र भेंट कर उन्हें भावभीनी विदाई दी।

कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंध समिति के कोषाध्यक्ष श्री मनीराम वर्मा जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने भी अपने संबोधन में आचार्यों के योगदान की प्रशंसा करते हुए उनके उज्ज्वल एवं सुखद भविष्य की कामना की।

विदाई समारोह के दौरान विद्यालय के सभी आचार्य एवं आचार्या बहनें भावुक हो उठीं। अपने संबोधन में उन्होंने तीनों आचार्यों के साथ बिताए गए प्रेरणादायी क्षणों और उनकी उपलब्धियों का स्मरण किया। वातावरण इतना भावुक हो गया कि कई आचार्यों की आँखें नम हो गईं।

समारोह का समापन तीनों आचार्यों के उज्ज्वल भविष्य, स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की कामना के साथ हुआ। विद्यालय परिवार ने उन्हें स्नेह, सम्मान और शुभकामनाओं के साथ विदा किया।

बाराबंकी संकुल

आज दिनांक 2 अप्रैल 2026 को

सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, लखपेड़ाबाग, बाराबंकी में हनुमान जन्मोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाया गया। इस पावन अवसर पर विद्यालय के प्रथम सहायक प्रवक्ता श्री बलराम तिवारी जी ने हनुमान जी के जन्मोत्सव के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्श जीवन, भक्ति और सेवा भावना से प्रेरणा लेने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में विद्यालय के सभी भैया-बहन एवं आचार्यगण उपस्थित रहे और सभी ने श्रद्धा एवं उत्साह के साथ भाग लिया।

अयोध्या संकुल

विद्या भारती विद्यालय सरस्वती शिशु विद्या मंदिर रामनगर अयोध्या में दिनांक 2 अप्रैल 2026, दिन गुरुवार को सुंदरकांड पाठ एवं हवन- पूजन के साथ नवीन शिक्षा सत्र का भव्य शुभारंभ आज दिनांक 2 अप्रैल 2026, दिन गुरुवार को सरस्वती शिशु विद्या मंदिर रामनगर अयोध्या में नवीन शैक्षणिक सत्र हर्षोल्लास और आध्यात्मिक वातावरण में शुभारंभ हुआ। सर्वप्रथम सभी भैया बहनों का तिलक लगाकर एवं पुष्प वर्षा द्वारा भव्य स्वागत किया गया। नए सत्र की मंगलकामना हेतु विद्यालय परिसर में भव्य सुंदरकांड पाठ एवं हवन-पूजन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरंभ पंडित जी द्वारा विधि विधान से मंत्रोच्चार के बीच हवन कुंड में आहुति देकर किया गया । इस अवसर पर विद्यालय के व्यवस्थापक डॉ आर के सिंह , प्रोफेसर आर एन राय जी, कोषाध्यक्ष प्रोफेसर सौरभ दीक्षित जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री मंगली प्रसाद तिवारी जी ने सभी भैया बहनों को नए सत्र की शुभकामनाएं दी एवं हनुमान जन्मोत्सव पर प्रकाश डालते हुए उनके भक्ति और सेवा भावना से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। प्रोफेसर आर एन राय ने भी सभी भैया बहनों को अपना आशीर्वचन एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं ।

इस अवसर पर सभी आचार्यगण एव भैया बहन उपस्थित रहे।

श्री राम नारायण सरस्वती शिशु मंदिर में भव्य परीक्षा फल वितरण समारोह

अयोध्या/गोसाईगंज।

श्री राम नारायण सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय में वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित होने के उपलक्ष्य में भव्य परीक्षा फल वितरण एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में रेलवे सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष पंकज सिंह एवं अध्यक्षता श्री शिव मोहन चौबे ने की। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य चित्रकेश सिंह, संरक्षक श्री जगदंबा प्रसाद जायसवाल, प्रबंधक श्री प्रदीप जायसवाल, कोषाध्यक्ष श्री अवधेश शर्मा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि पंकज सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि पढ़ाई केवल अंक प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने का सबसे सशक्त साधन है। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वअनुशासन, नियमित अध्ययन और कठिन परिश्रम अपनाने की प्रेरणा दी।

प्रधानाचार्य चित्रकेश सिंह ने कहा कि परीक्षा पूरे वर्ष के अध्ययन का सही मूल्यांकन है। अर्धवार्षिक और वार्षिक परीक्षाएं छात्रों को अपनी गलतियों को सुधारने और आगे बेहतर करने का अवसर देती हैं। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की पढ़ाई पर निरंतर ध्यान देने का आग्रह किया।

कार्यक्रम में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्रों को ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। मोमेंटो प्राप्त कर बच्चों के चेहरों पर खुशी और आत्मविश्वास साफ झलक रहा था। साथ ही अन्य छात्रों को भी प्रेरित किया गया कि वे आगे और बेहतर प्रदर्शन कर सफलता हासिल करें।

विद्यालय प्रबंधक श्री प्रदीप जायसवाल की ओर से संदेश दिया गया कि सरस्वती शिशु मंदिर में पढ़ने वाले बच्चे संस्कार, शिक्षा और अनुशासन के बल पर जीवन में ऊंचाइयों तक पहुंचते हैं और विभिन्न क्षेत्रों में चयनित होकर विद्यालय का नाम रोशन करते हैं।

कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों ने छात्रों को समझाया कि दबाव में पढ़ाई करने से नहीं बल्कि स्वअनुशासन और रुचि से पढ़ने पर ही सच्ची सफलता मिलती है। जिस विषय में कठिनाई हो उसे शिक्षक से समझना चाहिए ताकि पढ़ाई रुचिकर बन सके।

इस मौके पर विद्यालय की शिक्षिकाओं ने भी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की, वहीं अभिभावकों ने विद्यालय की शिक्षा व्यवस्था और संस्कारयुक्त माहौल की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन गीता सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर आदित्य गुप्ता, अभिषेक गुप्ता, बालाजी, कुमकुम जी, श्रीमती मिश्रा, तिवारी जी सहित विद्यालय परिवार एवं अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

अंत में सभी छात्रों को स्वप्रेरित होकर पढ़ाई करने और जीवन में उच्च लक्ष्य प्राप्त करने के लिए निरंतर मेहनत करने का संदेश दिया गया। यह आयोजन न केवल परिणाम वितरण का अवसर रहा, बल्कि छात्रों को संस्कार, अनुशासन और आत्ममूल्यांकन के माध्यम से आगे बढ़ने की प्रेरणा देने वाला एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम भी साबित हुआ।

गोंडा संकुल

सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज मालवीय नगर गोंडा

आज से प्रारम्भ हो रहे नवीन सत्र 26-27 हेतु हवन पूजन एवं पुष्प वर्षा से भैया बहनों का स्वागत तथा अभिनन्दन करते हुए सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज मालवीय नगर गोंडा के प्रधानाचार्य श्री रवि कुमार शुक्ला जी एवं मातृ संगठन के जिला प्रचारक श्रीमान सतीश जी एवं अमित जी भाई साहब।

बलरामपुर संकुल

वीन सत्र आरंभ के उपलक्ष्य में श्री सुंदरकांड पाठ एवं हवन पूजन कार्यक्रम संपन्न।

आज दिनांक 7 अप्रैल 2026 मंगलवार को **विद्या भारती विद्यालय रामविलास अग्रवाल सरस्वती शिशु विद्या मंदिर तुलसीपुर बलरामपुर** में नवीन सत्र आरंभ के उपलक्ष्य में श्री सुंदरकांड पाठ एवं हवन पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य पुरोहित पंडित मोती पांडे जी रहे। प्रधानाचार्य श्री रविंद्र नाथ तिवारी ने कार्यक्रम में यजमान की प्रमुख भूमिका निभाई तथा इस अवसर पर विद्यालय के सह व्यवस्थापक श्रीमान श्याम सुंदर जी नगर के अनेक गणमान्य बंधु अभिभावक बंधु /बहिनों एवं भैया बहनों तथा आचार्य परिवार की सहभागिता रही। प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

विद्या भारती
अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान
हमारा लक्ष्य
हमारा लक्ष्य इस प्रकार की राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली का विकास करना है जिसके द्वारा हिन्दुत्वनिष्ठ एवं राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत तथा शारीरिक, प्राणिक, मानसिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से पूर्ण विकसित युवा पीढ़ी का निर्माण हो, जो जीवन की वर्तमान चुनौतियों का सामना सफलतापूर्वक कर सके और जिसका जीवन नगरों, ग्रामों, वनों, गिरिकन्दराओं एवं चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में निवास करने वाले वंचित और अभावग्रस्त अपने बांधवों को सामाजिक कुरीतियों एवं अन्याय से मुक्त कराकर राष्ट्रजीवन को सुसंस्कृत, समरस तथा सुसम्पन्न बनाते हुए 'वसुधैवकुटुम्बकम्' के भाव से प्रेरित होकर विश्वकल्याण के लिये समर्पित हो।

केशवकृपा